Regarding delay in construction of Jorhat-Majuli bridge

श्री गौरव गोगोई **(**जोरहाट**) :** सभापति महोदया, मुझे बहुत गर्व होता है कि दुनिया में जो सबसे बड़ा नदी द्वीप है, वह भारत में है, वह असम में है और वह मेरे जोरहाट लोक सभा क्षेत्र में माजुली है । यह लगभग 880 वर्ग किलोमीटर का द्वीप है । ऐसे द्वीप ज्यादातर समुद्र में मिलते हैं, लेकिन यह द्वीप हमारे यहां ब्रह्मपुत्र नदी में है । इसकी प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक मूल्य और आध्यात्मिक शक्ति इसलिए है कि जो हमारे गुरू हैं, महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव और माधवदेव, इन दोनों महापुरुषों ने वहां पर आध्यात्मिक शक्ति की विभिन्न सत्रों के द्वारा स्थापना की । विशेष रूप से राख के समय, कृष्ण की जो वहां पर राख हम मानते हैं, उस समय बहुत लोग माजुली जाना चाहते हैं । वहां जाने का जो रास्ता है, वह नाव के द्वारा है । इस सरकार ने वहां एक ब्रिज का काम शुरू किया । लगभग 8.25 किलोमीटर के ब्रिज का काम इन्होंने शुरू किया और इस पर लगभग 925 करोड़ रुपये के बजट आबंटन हुआ । यह दु:ख की बात है कि इस ब्रिज का काम पिछले साल के सितम्बर माह से ठप पड़ा है । उसका मात्र 30 प्रतिशत काम हुआ है । वहां कांट्रैक्टर की क्या समस्या है, वह हमें नहीं पता, लेकिन हमें बताया गया था कि कांट्रैक्टर अपना काम नहीं कर रहा है, सब-कांट्रैक्टर को पेमेंट नहीं मिल रही है और पिछले साल के सितम्बर माह से इसका काम बंद पड़ा है । मैं वहां पर गया । मुझे बताया गया कि जनवरी के महीने में वहां रीटेंडरिंग होगी और नए कांट्रैक्टर को काम सौंप दिया जाएगा । अब हम मार्च के महीने में आ गए है, लेकिन अभी भी न नया कांट्रैक्टर तय हुआ है, न नया टेंडर निकला है और इसके कारण प्रोजेक्ट की कॉस्ट 925 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,250 करोड़ रुपये हो गई है ।

मैं आदरणीय नितिन गडकरी जी से यह जानना चाहूंगा कि रीटेंडरिंग का यह प्रोजेक्ट क्यों डिले हुआ है, प्रोजेक्ट की कॉस्ट क्यों बढ़ी है और कब इसके काम की शुरुआत होगी?

माननीय सभापति **:** श्री दर्शन सिंह चौधरी ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** श्री रवीन्द्र शुक्ला जी ।